चुलकाना के श्याम की लीला | by Harshit Soni

पावन चुलकाना नगरी पावन चुलकाना नगरी देव भूमि कहलाये यहाँ का कण कण शीश दान की गाथा रहे सुनाये पावन चुलकाना नगरी

लाल मोरवी बर्बरीक को भगवन ने आज़माया बर्बरीक ने हर पत्ते को भेद के फिर दिखलाया प्रभु बोले हे राजन जैसा सुना था वैसा पाया उस पीपल का पत्ता पत्ता आज भी ये दर्शाये पावन चुलकाना नगरी देव भूमि कहलाये यहाँ का कण कण शीश दान की गाथा रहे सुनाये पावन चुलकाना नगरी

प्रभु ने पूछा रणभूमि में किसके बनोगे साथी हारे के मैं साथ रहूँगा यही बात बस भाती प्रभु ने माता सरस्वती फिर जिव्हा पे बिठला दी छल के कारण बर्बरीक फिर वैसा वचन सुनाये पावन चुलकाना नगरी देव भूमि कहलाये यहाँ का कण कण शीश दान की गाथा रहे सुनाये पावन चुलकाना नगरी

बर्बरीक बोले हे ब्राह्मण इच्छा कुछ दान करूँ मैं अपनी तरफ से आपका कुछ आदर सम्मान करूँ मैं प्रभु बोले बस तेरे शीश का ही अरमान करूँ मैं सोचता हूँ तू अपने वचन से पीछे ना हट जाए पावन चुलकाना नगरी देव भूमि कहलाये यहाँ का कण कण शीश दान की गाथा रहे सुनाये पावन चुलकाना नगरी

बर्बरीक बोले वचन से फिरना मुझे नहीं है आता लेकिन उस से पहले आपका असली दरश मिल जाता आपका दर्शन करके मैं भी अपना धर्म निभाता बर्बरीक के सुनके वचन फिर दिव्या दर्श दिखाए पावन चुलकाना नगरी देव भूमि कहलाये यहाँ का कण कण शीश दान की गाथा रहे सुनाये पावन चुलकाना नगरी

इच्छा है प्रभु रणभूमि का देखूं पूर्ण नज़ारा इतना वर दो मुझको प्रभु जी होगा एहसान तुम्हारा मैं देखूं यहाँ कौन है जीता और कौन है हारा इतना कहकर शीश दान में प्रभु को दिया चढ़ाये पावन चुलकाना नगरी देव भूमि कहलाये यहाँ का कण कण शीश दान की गाथा रहे सुनाये पावन चुलकाना नगरी

ये वरदान मिला प्रभु से मेरे नाम से पूजे जाओ हर हारे का बनो सहारा तुम भी श्याम कहलाओ कलयुग में जाकर अब तुम धर्म ध्वजा फेहराओ तेरे दरश मात्र से सबका बिगड़ा काम बन जाए पावन चुलकाना नगरी देव भूमि कहलाये यहाँ का कण कण शीश दान की गाथा रहे सुनाये पावन चुलकाना नगरी

सरस्वती ने शीश उठाकर खाटू धाम पहुँचाया फिर चुलकाना जैसा ही खाटू भी धाम कहलाया वही लिखा जो सार किताबो से है मैंने पाया धीरज भी दीवाना होकर श्याम नाम गुण गाये पावन चुलकाना नगरी देव भूमि कहलाये यहाँ का कण कण शीश दान की गाथा रहे सुनाये पावन चुलकाना नगरी

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%9a\%e0\%a5\%81\%e0\%a4\%b2\%e0\%a4\%95\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be}{e0\%a4\%be-\%e0\%a4\%be-\%e0\%a4\%b6\%e0\%a5\%8d\%e0\%a4\%af\%e0\%a4\%be-\%e0\%a4\%be-\%e0\%a4\%be-\%e0\%a4\%b2\%e0\%a4\%b2\%e0\%a4\%b2\%e0\%a4\%be-by-harshit-so/$